BSNLEU

B S N L Employees Union

M.P. Circle, BHOPAL

(Regd. No. 4896)
(The Only Recognised union in BSNL)
OFFICE:1195,Lal Kothi, Near Brij Sweets,Shahi Naka Road,Gulauatal,Garha,JABALPUR,(MP)
Phone:- 0761-2425789, Website:- www.bsnleump.org Mobile:- 94251 24499
Circle Secretary Email:srnayak68@yahoo.in Circle President
S.R.Nayak Saiyed Raasid Ali

साथी मोनी बोस का निधन

बी एस एन एल कर्मियों ने एक समर्पित नेता खो दिया

------x------

साथी मोनी बोस, अब हमारे बीच नहीं हैं। 19 मई को सुबह 10.45 बजे उनका निधन हो गया है। वे, कुछ समय से बीमार थे। त्रिवेन्द्रम अखिल भारतीय अधिवेशन में (14 मई 2010 को) उनके वेंटीलेटर पर होने की सूचना प्राप्त हुई थी। वे 84 वर्ष के थे।

साथी मोनी बोस विगत 65 सालों से ट्रेड यूनियन आन्दोलन से जुड़े रहे हैं। वे 1945 में डी.ई.टी. ऑफिस कोलकाता में क्लर्क के रूप में भर्ती हुए थे। बाद में 11 जुलाई 1946 की हड़ताल संगठित करने के आरोप में उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं थी। नौकरी से हटने के बाद साथी मोनी बोस ने और भी बढ़–चढ़ कर ट्रेड यूनियन गतिविधियों में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था। आगे चलकर डाक–तार कर्मचारियों के पथ प्रदर्शक नेता के रूप में उन्होंने जो जगह बनायी थी, मृत्यु पर्यन्त उस जगह का लगातार विस्तार ही होता गया था तथा उन्होंने सुधारवादी भटकावों से अपनी रैंकों को बखूबी बचाकर रखने में कामयाबी हासिल की थी। 1985 में टेलीकॉम कमीशन बन जाने के बाद वे दूरसंचार कर्मचारियों की यूनियन में उस धारा का नेतृत्व करते रहे हैं जो सुधारवाद से संघर्ष करते हुए परिवर्तनवाद का प्रतिनिधित्व करती थी।

अंततः सन् 1991 में भोपाल अखिल भारतीय अधिवेशन में साथी ओ.पी.गुप्ता परास्त हुए तथा साथी मोनी बोस को ई–3 यूनियन के महासचिव के पद पर चुना गया था। किन्तु उनकी मुश्किलें यहां समाप्त नहीं हुई थीं। संचार मंत्रालय ने उनके नेतृत्व में निर्वाचित पूरी टीम को तो मान्य किया था किन्तु साथी मोनी बोस को यह कहकर महा सचिव के पद पर मानने से इन्कार कर दिया था कि वे नौकरी से निकाले हुए बाहरी व्यक्ति हैं। संचार मंत्रालय के इस बेतुके तर्क को खारिज करते हुए साथी मोनी बोस ने सर्वोच्च न्यायालय तक में कानूनी लड़ाई लड़ी थी। अंततः कलकत्ता उच्च न्यायालय ने संचार मंत्रालय को लताड़ लगाते हुए साथी मोनी बोस को तुरन्त मान्यता देने का आदेश दिया था। यद्यपि संचार मंत्रालय ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के पालन में साथी मोनी बोस को ई–3 यूनियन के महा सचिव के पद पर मान्य तो किया था किन्तु मान्यता के पत्र में ही इस बात का उल्लेख कर दिया था कि दुबारा चुनाव करायें जावें क्योंकि दो साल की समयावधि समाप्त हो गई है। इसलिए 1994 में त्रिवेन्द्रम अधिवेशन हुआ तथा साथी मोनी बोस को अध्यक्ष एवं साथी नम्बूदिरी को महा सचिव के पद पर चुना गया। किन्तु उन्हें अध्यक्ष के पद पर भी काम करने का निर्विघ्न अवसर नहीं मिल सका था क्योंकि साथी ओ.पी.गुप्ता ने पदाधिकारियों की समानान्तर सूची देकर ई–3 यूनियन को विवादित कर दिया था। यह ध्यान देने की बात है कि हमेशा से ही संचार मंत्रालय और साथी ओ.पी.गुप्ता की मिली–भगत रही है। किन्तु साथी मोनी बोस का कद इतना बड़ा था कि पद हमेशा ही उनके आगे–पीछे घूमता रहा है।

सन् 2000 में बी एस एन एल बना तथा सन् 2001 में बी एस एन एल एम्प्लाइज यूनियन का गठन किया गया था जिसमें साथी मोनी बोस को संरक्षक बनाया गया था। साथी मोनी बोस की भाषण कला अद्वितीय थी। वे बी एस एन एल कर्मचारियों के बेहद प्रिय थे तथा मोनी दादा के रूप में जाने जाते थे। यद्यपि आज वे हमारे बीच नहीं हैं, किन्तु बी एस एन एल एम्प्लाइज यूनियन के रूप में एक ऐसा विराट वृक्ष इस धरा पर खड़ा है जो लम्बे समय तक बी एस एन एल कर्मियों को ठन्डी छाया और स्वादिष्ट फल तो देता ही रहेगा साथ ही पूरे मजदूर आन्दोलन को मजबूती प्रदान करने के लिये काम करता रहेगा। यह विराट वृक्ष साथी मोनी बोस की ही देन है।

हम साथी मोनी बोस के सम्मान में अपना झंडा झुकाते हैं तथा उनके परिवार के प्रति शोक संवेदनाएं प्रेषित करते हैं।

----------x-----------